

मेरे राम कब आएंगे | By Azad Purohit

शबरी की कुटिया के भाग जग जायेंगे
बोल कागा बोल मेरे राम कब आएंगे
राम कब आएंगे मेरे राम कब आएंगे
राम कब आएंगे मेरे राम कब आएंगे
शबरी की कुटिया के

आये नहीं राम जी लगाई कहाँ देर है
चुन चुन के कबसे मैंने रख दिए बेर है
बलि बलि जाऊंगी जब राम घर आएंगे
बोल कागा बोल मेरे राम कब आएंगे

ला दे रे कागा मेरे राम की खबरिया
आएंगे धनुषधारी कौन सी डगरिया
अँखियाँ बिछा दूंगी राम जब आएंगे
बोल कागा बोल मेरे राम कब आएंगे

राम की लगन में मगन थी मैं काग रे
लगी हुई पापो वालो बुझ गई आग रे
बिगड़ी पुरानी मेरी आके वो बनाएंगे
बोल कागा बोल मेरे राम कब आएंगे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%ac-%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%87-by-azad-purohit/>